SVVV Hosting Textile Meet In Association With DRDO

COLLEGE CAMPUS BUZZ

Shri Vaishnav Vidyapeeth Vishwavidyalaya's (SVVV) Shri Vaishnav Institute of Textile Technology organised a two-day national textile conference Texcon 2019 on the theme of textile industry and research in 2030: challenges and opportunity from Thursday. This conference is supported by the Defence Research and Development Organization (DRDO). The chief guest of the event was Pratibha Syntex chairman, Shiv Kumar Chaudhary, guests of honour were Vardhman Textiles operations director S Pal and Raymond Thane vice president Harish Chatterjee. Vice-chancellor Dr Upinder Dhar was also present on the occasion.

Patrika Date: 05.04.2019

टेक्सॉन 2019 : टेक्सटाइल इंडस्ट्री के दिग्गजों ने वोटरों को लुभाने वाली नीतियों पर जताई चिंता

इंडस्ट्री को स्किल डवलपमेंट और इनोवेशन की जरूरत

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ वोटरों को लुभाने के लिए रोज नई स्कीमें लाई जा रही हैं और प्रयास किया जा रहा है कि उन्हें बिना मेहनत के अधिक से अधिक फायदे दिए जाएं। यह नीतियां लोगों को श्रम के प्रति उदासीन बना रही हैं और इसका प्रभाव उद्योगों पर पड़ रहा है। यदि इसी तरह चलता रहा, तो आने वाले समय में हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई उद्योगों में पिछड़ जाएंगे। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में आयोजित टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस 'टेक्सॉन 2019' में इंडस्ट्री के दिग्गजों ने इन बातों पर चिंता जताई। विद्यार्थियों से चर्चा के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि आज हमें सिर्फ शिक्षा, रोजगार और स्किल डवलपमेंट की जरूरत है, ताकि हम देश का बेहतर भविष्य बना सकें।

स्किल्ड कर्मचारियों की कमी: कॉन्फ्रेंस में कुलाधिपति पुरुषोत्तम दास पसारी ने कहा, यह कॉन्फ्रेंस इंडस्ट्री के दिग्गजों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से की गई है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री देश में कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार देने वाली इंडस्ट्री है। पिछले कुछ सालों से इसमें स्किल्ड वर्कर्स की कमी आ रही है और हम सबको इस पर विचार करना होगा। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के मॉर्डनाइजेशन और रिसर्च पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, सदियों से हम कपड़ों के निर्यात के मामले में अव्वल रहे हैं और आज हमें दूसरे देश कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। इन सबके बीच हमें बने रहने के लिए कमियों को दूर कर इनोवेशन की ओर जाना होगा।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में योगदान के लिए प्रतिभा सिंटेक्स के चेयरमैन एसके चौधरी को सम्मानित करते कुलपति उपिंदर धर और कुलाधिपति पुरुषोत्तम दास पसारी।

मॉर्डनाइजेशन में कमी से बंद हुई इंदौर की सभी मिलें

इंदौर टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए पहचाना जाता था, लेकिन मॉर्डनाइजेशन में कमी की वजह से उन्हें सरकारी नीतियों का फायदा नहीं मिला और वे सब बंद हो गई। ठीक इसी तरह मुंबई और अहमदाबाद में भी हुआ। वहां भी अधिकतर मिलें और इंडस्ट्री बंद हुई। मुंबई डाइंग जैसी कंपनियां इसलिए चलती रहीं, क्योंकि वे समय के साथ खुद को बदलती रही। देश के 60 लाख किसान सीधे इस इंडस्ट्री से जुड़े हैं, लेकिन इसके फायदों से वह वंचित रह जाता है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि इंडस्ट्री में मॉर्डनाइजेशन की कमी है। जिस दिन सब एक सिस्टम से जुड़ जाएंगे हर योजना का फायदा ऊपर से नीचे तक हर तबके को मिलेगा।

डॉ. उपिंदर धर, कुलपति, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय

चीन और बांग्लादेश में कम दरों पर अधिक प्रोडक्शन

आज चीन और बांग्लादेश टेक्सटाइल में भारत को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। बांग्लादेश के पास सस्ते में अधिक श्रमिक मिल जाते हैं। वहां बहुत कम लागत में अधिक उत्पादन होता है। बांग्लादेश को अन्य देशों से आयात शुल्क में भी छूट मिल जाती है। इनसे हम कई स्तर पर संघर्ष कर रहे हैं। हमारी तुलना में वे बेहद कम दाम पर दूसरे देशों को माल दे रहे हैं।

एसके चौधरी, चेयरमैन, प्रतिभा सिंटेक्स

ग्राहक को कुछ नया चाहिए, हमें देना ही होगा

आज ग्राहकों की पसंद जल्द बदल जाती है। वे कुछ नया चाहते हैं। इंडस्ट्री को इस पर ध्यान देना होगा कि वे कुछ नया कर सकें। मसलन आज ग्राहक चाहता है कि ऐसा कपड़ा मिले, जिसमें सिलवटें कम पड़ें। कुछ लोग चाहते हैं कि उनकी पसंद की ड्रेस ऐसे कपड़ों में बन जाए जो बहुत सॉफ्ट हो। हमें तकनीक और स्किल्स पर ध्यान देना होगा।

हरीश चटर्जी, वाइस प्रेसीडेंट मैन्युफैक्चरिंग, रेमंड

लोगों को स्किल्ड बनाने पर देना होगा जोर

हमारा ध्यान सिर्फ इसी बात पर है कि हम कैसे अपने कर्मचारियों को स्किल्ड बनाएं। एक ओर जहां इंडस्ट्री को मॉर्डनाइजेशन की जरूरत है, तो वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों को हर स्तर पर नए प्रशिक्षण की। हम कर्मचारियों की ट्रेनिंग के लिए नए कोर्सेस ला रहे हैं और उनकी काबिलियत परख रहे हैं। अगर कर्मचारी बेहतर होगा तो उससे इंडस्ट्री को ही फायदा होगा।

एस. पॉल, डायरेक्टर, वर्धमान, भोपाल ऑपरेशन

दैनिक चैतन्य लोक इन्दौर

5 अप्रैल 2019

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय नेशनल टेक्सटॉइल कान्फ्रेंस 'टेक्सकॉन-2019' का आयोजन

चैतन्य लोक » इंदौर
dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटॉईल टेक्नोलॉजी द्वारा 4 व 5 अप्रैल को दो दिवसीय नेशनल टेक्सटॉईल कान्फ्रेंस 'टेक्सकॉन-2019' का आयोजन किया जा रहा है। जिसका विषय 'टेक्सटॉईल इंडस्ट्री एण्ड रिसर्च इन 2030: चेलेंजेस एण्ड ऑपरच्यूनिटीं' है। यह कान्फ्रेंस मुख्य रुप से डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डी.आर.डी.ओ.) द्वारा प्रायोजित है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में एस.के. चौधरी, चेयरमेन, प्रतिभा सिनटेक्स, इन्दौर सम्मिलित हुये। इस अवसर पर टेक्सटॉईल उद्योग के क्षेत्र में श्री चौधरी के महत्वपूर्ण योगदान हेतु उनका सम्मान भी किया गया। श्री चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि नैतिक जीवन से ही हम अपने जीवन का विकास कर सकते है तथा विद्यार्थियों को अपने कैरियर पर ही ध्यान केन्द्रित करना चाहिये क्योंकि अभी का समय टेक्सटॉईल में बदलाव का समय है। वर्तमान में भारतीय टेक्सटॉईल उद्योग को बांग्लादेश व चाईना से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। बांग्लादेश में जहां पर कम लागत में अधिक उत्पादन किया जाता है वही चाईना में नये-नये उत्पाद बाजार में उपलब्ध करा दिये जाते है।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत में कान्फ्रेंस के चेयरमेन प्रो. टी. के. सिन्हा कहा कि इस कान्फ्रेंस में 13 प्रख्यात वक्ताओं द्वारा अमूल्य वक्तव्य दिये जायेगें। इस कान्फ्रेंस में दो टेकनिकल सेशन भी है जिसमें कुल 12 रिसर्च पेपर भी प्रस्तुत किये जायेगें। कुलपति डॉ. उपिन्दर धर ने कहा कि भारतीय टेक्सटॉईल उद्योग का विश्व में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है। जिसमें कॉटन, जूट, सिल्क आदि के क्षेत्र में भारतीय टेक्सटॉईल उद्योग का अग्रणी योगदान है। साथ ही उन्होंने टेक्सटॉईल के मार्डेनाइजेशन और रिसर्च पर विशेष जोर दिया। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी ने कहा कि यह कान्फ्रेंस टेक्सटॉईल रिसर्च और इंडस्ट्री को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। टेक्सटॉईल उद्योग सदैव से ही देश के वित्तीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। टेक्सटॉईल उद्योग कृषि के बाद में दूसरा सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र रहा है। हरीश चटर्जी, वाईस प्रेसिडेंट, मैन्यूफेक्चरिंग, रैमण्ड इंडिया ने कहा कि आज कपड़ों की मांग में बदलाव आ चुका है, जहां पर आज एंटीरिंकल, एंटीमाइक्रोबियल तथा कूल फैब्रिक की मांग भी बढ़ती जा रही है। आज भी हमारे घरों में रैमण्ड के ही कपड़े ही खरीदने की बात की जाती है जिसका कारण रैमण्ड फैब्रिक की क्वालिटी है। एस. पॉल, डायरेक्टर, वर्धमान, भोपाल ऑपरेशन, भोपाल ने कहा कि आज मार्डेनाइजेशन के साथ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट की भी आवश्यकता है। इसलिए वर्धमान सदैव से ही एम्प्लाई ट्रेनिंग पर जोर देता रहा है। श्री वैष्णव विद्यापीठ ट्रस्ट के सचिव कमलनारायण भुराड़िया ने आभार व्यक्त किया। आज के दो प्लेनेरी सेशन में 06 वक्ताओं ने अपने वक्तव्य दिया जिनमें प्रमुख वक्ता डॉ. वी. के. कोठारी, आई.आई.टी. दिल्ली, डॉ. एम.डी. तेली, आई.सी.टी. मुम्बई, डॉ. नुपूर आनंद, एन.आई.एफटी. दिल्ली, डॉ. कुशाल सेन, आई.आई.टी. दिल्ली तथा डॉ. ए. मुकोपाध्याय, एन.आई.टी. जलंधर थे। साथ में उद्योग जगत के अतिथि भी सम्मिलित हुए।

पत्रिका

Date: 04.04.2019

टेक्सकॉन-2019 : दो दिवसीय आयोजन की शुरूआत आज से

टेक्सटाइल इंडस्ट्री और रिसर्च को एक मंच पर लाने का प्रयास

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी द्वारा 04 व 05 अप्रैल को टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। टेक्सकॉन-2019 के नाम से हो रहे इस आयोजन का विषय 'टेक्सटाइल इंडस्ट्री एंड रिसर्च इन 2030: चैलेंजेस एंड ऑपरच्युनिटी' है। यह कॉन्फ्रेंस मुख्य रूप से डीआरडीओ द्वारा प्रायोजित है। उद्घाटन समारोह में प्रतिभा सिनटेक्स के चेयरमैन एसके चौधरी मुख्य अतिथि होंगे।

वर्धमान टेक्सटाइल के भोपाल ऑपरेशन डायरेक्टर एस. पॉल और रेमंड के वाइस प्रेसीडेंट हरीश चटर्जी विशिष्ट अतिथि होंगे। कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने बताया, यह कॉन्फ्रेंस टेक्सटाइल रिसर्च और इंडस्ट्री को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। इसमें 13 वक्ताओं के सेशन रखे गए हैं, जिसमें इंडस्ट्री के कई नए विषयों को समायोजित करने का प्रयास किया गया है। कॉन्फ्रेंस चेयरमैन प्रो टीके सिन्हा ने बताया, कॉन्फ्रेंस में वस्त्र प्रौद्योगिकी, वस्त्र प्रबंधन के साथ फैशन प्रौद्योगिकी पर भी चर्चा की जाएगी।

दैनिक भास्कर

Date: 04.04.2019

नेशनल टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस आज से

वैष्णव यूनिवर्सिटी में दो दिनी कॉन्फ्रेंस में आएंगे एक्सपर्ट

सिटी रिपोर्टर | वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में दो दिनी नेशनल कॉन्फ्रेंस टेक्सकॉन होने जा रही है। गुरुवार से शुरू होने वाली इस दो दिनी कॉन्फ्रेंस में टेक्सटाइल इंडस्ट्री एंड रिसर्च इन 2030: चैलेंजेस एंड अपॉर्च्यूनिटी विषय पर एक्सपर्ट्स बात करेंगे। कॉन्फ्रेंस में वस्त्र प्रोद्यौगिकी, वस्त्र प्रबंधन के साथ फैशन प्रोद्यौगिकी सहित अन्य विषयों पर चर्चा होगी। दो टेक्निकल सेशन में 12 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए जाएंगे।

दैनिक चैतन्य लोक इन्दौर 2 अप्रैल 2019

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय नेशनल टेक्सटॉइल कान्फ्रेंस 'टेक्सकॉन-2019' का आयोजन 4 व 5 अप्रैल को

चैतन्य लोक » इंदौर
dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटॉइल टेक्नोलॉजी, एसवीवीवी द्वारा 4 व 5 अप्रैल को दो दिवसीय नेशनल टेक्सटॉइल कान्फ्रेंस 'टेक्सकॉन-2019' का आयोजन किया जायेगा। जिसका विषय 'टेक्सटॉइल इंडस्ट्री एण्ड रिसर्च इन 2030: चेलेंजेस एण्ड ऑपरच्यूनिटीं है। यह कान्फ्रेंस मुख्य रुप से डिफेंस रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डी.आर.डी.ओ.) द्वारा प्रायोजित है। 4 अप्रैल को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में एस.के. चौधरी, चेयरमेन, प्रतिभा सिनटेक्स, इन्दौर सम्मिलित होगें। इस अवसर पर टेक्सटॉइल उद्योग के क्षेत्र में श्री चौधरी के महत्वपूर्ण योगदान हेतु उनका सम्मान भी किया जायेगा। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रुप में एस. पाल, डायरेक्टर, वर्धमान, भोपाल ऑपरेशन, भोपाल एवं हरीश चटर्जी, वाईस प्रेसिडेंट, मैन्यूफेक्चरिंग, रैमण्ड इंडिया भी सम्मिलित होगें।

इस कान्फ्रेंस में 13 प्रख्यात वक्ताओं द्वारा अमूल्य वक्तव्य दिए जायेगें। जिनमें डॉ. वी. के. कोठारी, आई.आई.टी. दिल्ली, डॉ. एम.डी. तोली, आई.सी.टी. मुम्बई, डॉ. नुपूर आनंद, एन.आई.एफटी दिल्ली, डॉ. कुशल सेन, आई.आई.टी. दिल्ली, डॉ. श्रीनिवासा राव, फ्लोरल पार्क न्यूयार्क, डॉ. ए. मुकोपाध्याय, एन. आई.टी. जलंधर, डॉ. श्रीनिवासन जे., के.सी.टी. कोयम्बटूर, डॉ. प्रवीर कुमार चौधरी, बीसा भारती यूनीवर्सिटी भोलपुर, डॉ. सुदर्शन धामेजा, टी.आई.टी. भिवानी सहित उद्योग जगत के वक्ता भी सम्मिलित होगें। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपिन्दर धर ने बताया कि यह कान्फ्रेंस टेक्सटॉइल रिसर्च और इंडस्ट्री को एक मंच पर लाने के उद्देष्य से आयोजित की जा रही है। कान्फ्रेंस चेयरमेन प्रो. टी. के. सिन्हा ने जानकारी देते हुये बताया कि इस दो दिवसीय कान्फ्रेंस में वस्त्र प्रौद्योगिकी, वस्त्र प्रबंधन के साथ फैशन प्रौद्योगिकी सहित नवीन विषयों पर चर्चा की जायेगी। इस कान्फ्रेंस में दो टेकनिकल सेशन भी है जिसमें कुल 12 रिसर्च पेपर भी प्रस्तुत किये जायेगें। इस अवसर पर श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी व वैष्णव विद्यापीठ ट्रस्ट के सचिव कमलनारायण भुराड़िया भी उपस्थित होगें।